International Journal of Arts & Education Research

विज्ञापन और संप्रेषण

मोना कौशिक*[1], डा0 भूपेश चन्द्र लिटिल[2]

[1]शोधर्थी, व्यवहारिक कला विभाग, कला एवं शिल्प महाविद्यालय, ललित कला संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

[2]शोध पर्यवेक्षक, सहायक प्रोफेसर, व्यवहारिक कला विभाग, कला एवं शिल्प महाविद्यालय, ललित कला संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

विज्ञापन शब्द की रचना दो शब्दो वि+ज्ञापन के संयोग से बनी है, जिसमें वि का अर्थ है विशेष तथा ज्ञापन का अर्थ है सूचना या जानकारी देना। अर्थात विशेष सूचना या जानकारी देना ही विज्ञापन है जो अंग्रेजी शब्द ।कअमतजपेपदह का हिन्दी रूपान्तरण है। ।कअमतजपेपदह का निर्माण लैटिन शब्द ।कअमतजव से हुआ है, जिसका अर्थ है ध्यान दिलाना या आकर्षित करने का कार्य करना। इसलिये यह कहा जा सकता है कि सेवाओं एवं व्यापार की वस्तुओं की ओर ध्यान आकर्षित करना ही विज्ञापन है।

IJAER

*Corresponding Author